Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 24-11-2006

Participants : Sangwan Shri Kishan Singh

an>

Title : Need to look into the problems of the agitating farmers whose land have been acquired in Kundli, Haryana.

श्री किशन सिंह सांगवान :सभापति महोदया, देश को आजाद हुए 59 वर्ा हो गये हैं, पूरे देश के हर प्रांत में केन्द्र सरकार और प्र ादेश सरकार की तरफ से किसानों की जमीनें अलग-अलग पब्लिक सैक्टर्स के लिए एक्वायर हो रही हैं। कहीं रेलवे के लिए, कहीं ड्रेनों के लिए, कहीं सड़कों के लिए किसानों की जमीनें एक्वायर हो रही हैं। अब एक नया कान्सैप्ट एस.ई.जैड. का आ गया है। 59 वर्ों से आज तक लगातार किसानों को भूमि अधिगृहण के मामले में ब्लैकमेल किया जा रहा है। उनका एक्सप्लायटेशन हो रहा है और अब यह स्पीड बहुत ज्यादा बढ़ गई है। दिल्ली देश की राजधानी है और मेरा क्षेत्र दिल्ली के साथ तीनतरफ से लगता है। यह एन.सी.आर. एरिया में आता है। वहां जी.टी.रोड कुंडली के पास किसानों की दो हजार एकड़ जमीन राजीव गांधी एजूकेशन सिटी के नाम पर एक्वायर करने के नोटिस किसानों के पास आये हुए हैं। सरकार उस जमीन को एक्वायर कर रही है। वहां की जमीन का मार्केट रेट ढाई करोड़ रुपये प्रति एकड़ है और यह दिल्ली के बॉर्डर के पास है। वहां सरकार आठ गांवों के किसानों की जमीन मात्र 18 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से एक्वायर कर रही है। इस तरह से वहां किसानों का बहुत भारी एक्सप्लॉयटेशन हो रहा है। वहां किसान लगातार एक वर्ा से संर्घा कर रहे हैं। छ: महीने से धरने पर बैठे हैं और अब 16 दिन से लगातार ...(व्यवधान)

श्री किशन सिंह सांगवान :महोदया, मैं कह रहा था कि वहां लैन्ड का भाव ढाई करोड़ रुपये प्रति एकड़ है और सरकार उसे 18 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से एक्वायर कर रही है। इससे आठ गांवों के किसान आंदोलित हैं। उनमें दलित और बैकवर्ड क्लास के लोग भी हैं, उनके घर भी एक्वायर हो रहे हैं। उन लोगों को न तो प्रोपर भाव मिल रहा है और न ही उनके सैटलमैन्ट की कोई बात हो रही है, न उनके बच्चों को नौकरी देने की बात हो रही है।

सभापति महोदया :आप क्या चाहते हैं कि उनके भाव बढ़ाये जाएं।

श्री किशन सिंह सांगवान : मैं अभी उस बात पर आऊंगा। यह सारे देश के किसानों का मामला है। मैं एक उदाहरण दे रहा हूं कि कहीं हाईटैक सिटी के नाम पर जमीन एक्वायर हो रही है और कहीं किसी और नाम से जमीन एक्वायर हो रही है। वहां 16 दिन से पांच बुजुर्ग किसान नेता भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनकी स्थिति गंभीर होती जा रही है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार और प्र ादेश सरकार से कहना चाहता हूं कि अगर किसानों के साथ कोई गलत बात हो गई तो एक बहुत बड़ा संकट पैदा हो जायेगा। इसलिए केन्द्र सरकार इस मामले में इंटरफियर करे और किसानों को उनकी भूमि रिलीज कराये।

सभापति महोदया, मैं आपको एक उदाहरण देता हूं कि जिस जमीन के एक्वायर होने का मैं जिक्र कर रहा हूं, उसी जमीन में एक फैक्टरी है।

सभापति महोदया : सांगवान जी, आपने अपनी बात रख दी है। किसानों की जमीन की बात मंत्री जी ने नोट कर ली है।

श्री किशन सिंह सांगवान : जो जमीन एक्वायर हो रही है, उसी जमीन में रोलैन्ड नाम की एक कंपनी है। वह एक बहुत बड़ा इंडस्ट्रियलिस्ट है। उसकी आठ एकड़ जमीन एक्वायर होनी थी। लेकिन इसी सरकार ने उसमें से सात एकड़ जमीन रिलीज कर दी। इंडस्ट्रियलिस्ट की जमीन रिलीज कर दी और किसानधक्के खाते फिर रहे हैं। मेरे पास इसका सबूत है। इसलिए मेरा आग्रह है कि केन्द्र सरकार इसमें इंटरफियर करे, वरना वहां स्थिति बहुत गंभीर हो जायेगी। वहां किसानों को जमीन का पूरा मुआवजा मार्केट रेट के हिसाब से मिले, उनका सैटलमैन्ट किया जाए, उनके बच्चों को नौकरी दी जाए।

सभापति महोदया : आपकी बात सरकार तक पहुंच गई है।

श्री किशन सिंह सांगवान : मैं कहना चाहता हूं कि पूरे देश में जहां भी किसानों की जमीन किसी पब्लिक परपज के लिए एक्वायर होती है, उनके लिए एक कानून बनाया जाए, ताकि उनकी स्थिति में सुधार हो सके। यही मैं कहना चाहता हूं।